ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

खंड IV अंक XI

फरवरी, 2013

इस अंक में:

- कृषि विज्ञान केन्द्र, दुर्गापुर, महाराष्ट्र में 'कृषि प्रौद्योगिकी सप्ताह–2013 में कृषि उद्यमी।
- माह का कृषिउद्यमी – श्री एस. चन्द्रबानू कर्णाटक
- माह का संस्थान – बोज्जा वेंकट रेड्डी, कृषि फाउंडेशन, आंध्र प्रदेश
- नाबार्ड कार्यशाला – कर्णाटक के कृषि उद्यमियों के लिए

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दुर्गापुर, महाराष्ट्र में 'कृषि प्रौद्योगिकी सप्ताह'–2013 में कृषि उद्यमी

कृषि उद्यमी श्रीमती संगीता सवालाखे तथा श्री विनोद सिंह किलेदार, कृषि प्रौद्योगिकी सप्ताह–2013, केवीके, दुर्गापुर , महाराष्ट्र में सफल बिजनेस मॉडलों पर बात करते हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दुर्गापुर, (बुडनेरा), जिला अमरावती, महाराष्ट्र ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) अमरावती के साथ मिलकर अपने परिसर में 18–22 फरवरी, 2013 के दौरान कृषि प्रौद्योगिकी सप्ताह 2013 का आयोजन किया।

कृषि प्रौद्योगिकी सप्ताह के रूप में "कृषि विकास में कृषि उद्यमियों का महत्वपूर्ण कदम" नामक विषय पर एक तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 600 सहभागियों ने भाग लिया जिनमें से 150 कृषि व्यवसायी थे जिन्होंने एग्रीक्लीनिकों तथा कृषि व्यवसाय केंद्रों (एसी और एबीसी) में प्रशिक्षण प्राप्त किया था और अपने उद्यमों की स्थापना की थी। एमएसएमई योजनों के अंतर्गत केवीके द्वारा प्रशिक्षित महिला उद्यमियों ने भी इसमें भाग लिया।

श्रीमती संगीता सवालाखे, विदर्भ बायोटेक लैब, यवतमाल और श्री विनोद सिंह, किलेदार, जनाकिया, परतवाडा, अमरावती दोनों ही सफल कृषि उद्यमी हैं, को अतिथि वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया था ताकि वे कृषि नव उद्यमों की स्थापना, इन्हें लाभप्रद ढंग से चलाने के लिए अपनाए गए बिजनेस मॉडलों और कृषि विकास संवर्धन में विस्तार गतिविधियों की भूमिका के बारे में अपने अनुभव सबके साथ बांट सकें।

श्री एस. चंद्रबानू – हाई टेक बागवानी के संवर्धन में

ग्रीन हाउस प्रौद्योगिकी एक ऐसा अवसर है जहां यूनिट की सूक्ष्म जलवायु को अच्छी गुणवत्ता वाली अधिकतम पैदावार प्राप्त करने के लिए और मौसमी चक्र को तोड़ने के लिए भी विनियमित किया जा सकता है। इससे किसान को अपनी एकसमान और गुणवत्तापूर्ण फसल के लिए अधिक दाम मिल सकते हैं। श्री चंद्रबानू ने इस प्रौद्योगिकी का प्रचार करने में गहरी रुचि दर्शाई है। कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने से इन्हें ग्रीन हाउस फार्मिंग की कला और विज्ञान को सीखने में सहायता मिली है। इन्होंने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु में एसी एंड एबीसी प्रशिक्षण में भाग लिया और पोली हाउस निर्माण क्षेत्र में कृषि उद्यमी बनने का निर्णय किया। उद्यमी बनने के लिए उन्होंने इस प्रौद्योगिकी को सीखने, समझने और व्यापक स्तर पर कृषि में प्रयोग में लाने का निर्णय किया। इसके अलावा, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड तथा राज्य कृषि विभाग के कार्यों ने उनकी उनके इस पेशे में गहनतर रुचि विकसित करने और इसमें उत्कृष्टता अर्जित करने में सहायता की। एक स्वप्नदृष्टा उद्यमी होने के नाते उन्होंने अनेक व्यवसाय अवसरों को देखा–भाला और इस क्षेत्र में अनेक व्यवसाय अवसरों को कार्य रूप दिया। उन्होंने इस बात का भी पता लगाया कि बिना किसी तकनीकी पृष्ठभूमि के, अनेक अज्ञानी व्यवसायी ग्रीन हाउस निर्माण कार्य में लगे हुए थे। परिणामतः इन्होंने बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन के साथ कृषक समुदाय की सहायता करने और ग्रीन हाउस निर्माण करने का निर्णय किया। गत 5 वर्षों के दौरान उन्होंने 100 एकड़ पोली हाउसों और शेड–नेट का निर्माण किया।

श्री एस. चंद्रबानू की सेवाओं में निम्नलिखित सेवाएं शामिल हैं:–

- उच्च मूल्य वाली फसलों, जेसे जरबेरा, कार्नेशन, रंगीन पहाड़ी मिर्च तथा हाईटेक नर्सरी के लिए पोली–हाउस का निर्माण।
- आर्द्र चैम्बरों का निर्माण।
- सब्जियों तथा नर्सरियों की खेती के लिए शेड–नेट हाउस का निर्माण।
- कार्नेशन, जरबेरा, संथुरियम और रंगीन पहाड़ी मिर्च जैसी ग्रीन हाउस कृषि फसलों के लिए पादप सामग्री की आपूर्ति।
- ग्रीन हाउस सामग्री की आपूर्ति, जैसे पोली, फिल्म, शेड–नेट तथा एल्यूमीनियम स्प्रिंग।
- परामर्शी सेवाएं।

इन्होंने 60 लोगों को काम में लगाया है और उन्हें पोली–हाउसों के निर्माण के बाद इन्होंने किसानों से समझौता कर लिया ताकि उनके उत्पाद के लिए बाजार संपर्क विकसित किए जा सकें। इस परियोजना में उनकी वार्षिक आय 5 लाख रुपये से आरंभ हुई थी और 4 करोड़ रुपये के वार्षिक व्यवसाय के साथ यह 20 लाख रुपये तक पहुंच गई।

उनका यह कहना है कि उनके कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए एसी तथा एबीसी प्रशिक्षण ने मदद की और संभावित कृषकों में प्रौद्योगिकी के प्रचार–प्रसार के लिए स्वयं उन्होंने भी योगदान दिया।

(श्री चंद्रबानू से मोबाइल नंबर 09964323268 पर संपर्क किया जा सकता है और इनका ई मेल पता है : shivannachandru@gmail.com.)

श्री चन्द्रबानू द्वारा निर्मित किए गए पोली हाउसों की श्रृंखला

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में कृषि उद्यमिता को सुदृढ़ करती बोज्जा वेंकट रेड्डी कृषि फाउंडेशन

बोज्जा वेंकट रेड्डी कृषि फाउंडेशन (बीवीआरएएफ) एक गैर–लाभकारी संगठन है जो 'न्यास अधिनियम' के अंतर्गत पंजीकृत है। इसका प्रधान कार्यालय हैदराबाद में तथा फील्ड कार्यालय नाडयाल, कुरनूल जिला, आंध्र प्रदेश में स्थित है। इस फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2004 में स्वर्गीय श्री बोज्जा वेंकट रेड्डी की स्मृति में की गई थी जो कि एक संसदविद् थे। इसकी स्थापना कृषक समुदाय को अधिकार संपन्न बनाने तथा उनके उत्थान के लिए कार्य करने हेतु की गई थी जो कि श्री बोज्जा वेंकट रेड्डी का चिरप्रतीक्षित स्वप्न था। श्री दशरथ रामी रेड्डी, सुपुत्र स्वर्गी श्री बोज्जा वेंकट रेड्डी, इस फाउंडेशन के प्रबंधक न्यासी हैं।

उद्देश्य

फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य है, विस्तार सेवाओं, ग्रामीण शिक्षा, अवसंरचना तथा नीतिगत पहलों के माध्यम से आंध्र प्रदेश में कृषक समुदाय के क्षमता निर्माण और सशक्तीकरण के लिए कार्य करना।

कार्य (एसी तथा एबीसी के अलावा)

- किसानों तथा बीज सहायकों के लिए काले चने तथा हाइब्रिड चावल किस्मों के उत्पादन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।
- "मैं अपने विद्यालय से प्रेम करता हूं" इस अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से बाल मजदूरी के उन्मूलन के लिए कार्य करती है ताकि किसानों तथा अन्य ग्रामीण परिवारों के बच्चों को शिक्षित किया जा सके। यह कूरनूल जिले में सरकार द्वारा संचालित चार स्कूलों को पहले ही अपना चुकी है। कार्यक्रम के अंतर्गत फाउंडेशन, नोट बुक तथा अन्य स्टेशनरी मदों का वितरण करती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन करती है।
- सिफा (सीआईएफए) जैसे संगठनों के साथ कार्य करती है और कृषि से संबंधित नीतिगत मामलों में योगदान देती है; उदाहरण के लिए; विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के निर्धारण में तथा खाद्यान्नों के अंतरराज्यीय परिवहन में प्रतिबंधों को शिथिल करने में।

एसी तथा एबीसी के साथ संबंधन

एसी तथा एबीसी योजना के अंतर्गत वर्ष 2010 में मैनेज द्वारा नोडल प्रशिक्षण संस्थान के रूप में प्रशिक्षण प्रदान कर चुकी है जिनमें से 48 ने 'कृषि व्यवसाय केंद्रों', 'बीज उत्पाद,' 'नर्सरी प्रबंधन', 'ऊतक संवर्धन तथा डेरी' जैसे विभिन्न नव उद्यमों की स्थापना की है।

पारस्परिक सहयोग की पहलें

- फाउंडेशन ने एसी तथा एबीसी स्नातकों, जो अपने संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, की एसोसिएशन के निर्माण में सहायता की है ताकि नए प्रशिक्षणार्थियों की योजना के अंतर्गत अपने नव उद्यमों की स्थापना में बैंक ऋण प्राप्ति तथा विनियामक मामलों में सहायता की जा सके।
- फाउंडेशन ने कृषक सभा का आयोजन किया और प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों के उत्पादों को प्रदर्शित किया जिससे बैंक प्रभावित हुए।

भावी पहलें

- कार्यक्रम के अधिक प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुरनूल जिले में विभिन्न पणधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशालाओं और अभियानों का आयोजन करना।
- बैंक ऋणों की निर्बाध मंजूरी के लिए पारस्परिक सहयोग के लिए कड़े प्रयास करना और क्षेत्र में कार्यरत निजी कृषि उत्पादों के बाजार करार को सुगम बबनाने के लिए अभिनव कार्यनीतियों को तलाशना।

"मैनेज द्वारा आरंभ की गई एसी तथा एबीसी योजना ने भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय व सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। एसी तथा एबीसी स्नातक मूल्यवान कृषि विस्तार सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और कृषि में सतत् विकास की दिशा में विभिन्न अभिनव क्षेत्रों में जोखिम उठाने के लिए स्वयं को अभिप्रेरित कर रहे हैं। बीवीआरएएफ के प्रबंधक न्यास तथा एसी तथा एबीसी योजना के मुख्य कार्यपालक श्री बोज्जा दशरथ रामी रेड्डी के अनुसार "एसी तथा एबीसी योजना ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को शहरी अर्थव्यवस्था के समकक्ष लाने में आधारभूत भूमिका निभाएगी।"

बी. दरशथ रेड्डी,प्रबंधक न्यासी, बोज्जा वेंकट कृषि फाउंडेशन

बोज्जा वेंकट रेड्डी कृषि फाउंडेशन से निम्नलिखित पते पर संपर्क किया जा सकता है:–

बीवीआर कृषि फाउंडेशन, 25/510 ए, श्रीनिवास नगर, नान्डयाल – 518501

जिला कुरनूल, आंध्र प्रदेश, फोन – 9848040991, 738259575

ई–मेल bojjafoundation@gmail.com

नाबार्ड कार्यशाला – कर्णाटक के कृषि उद्यमियों के लाभ के लिए

एसी एंड एबीसी योजना पर 14 फरवरी, 2013 को नाबार्ड द्वारा बैंगलौर क्षेत्रीय कार्यालय में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ताकि योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बैंकरों में जागरूकता पैदा की जा सके और उनका संवेदीकरण किया जा सके। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री एस.एन. जिन्ना, सीजीएम, नाबार्ड, कर्णाटक आएओ बैंगलौर ने की। श्री बी. कृष्णामूर्ति, सलाहकार, "मैनेज" वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैकों के प्रतिनिधियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थाओ के प्रतिनिधियों तथा सफल कृषि उद्यमियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला पारस्परिक विचार–विमर्श के सत्र के रूप में आगे बढ़ी और प्रचालन संबंधी मुद्दों पर सहभागियों के साथ चर्चा की गई और समन्वयन महाप्रबंधक, नाबार्ड ने किया। कार्यशाला से जो कार्यबिंदु उभर कर सामने आए वे इस प्रकार हैं:–

- कृषि उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई कैश क्रेडिट सुविधा के लिए बैंक अवधि ऋणों के प्रावधान पर विचार कर सकते हैं जिससे उन्हें पूंजीगत आस्तियां सृजित करने और योजना के लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

- चूंकि यह एक सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है अतः सेवा क्षेत्र उपागम प्रयोज्य है। तथापि प्रशिक्षित स्नातकों को ऋण प्राप्त करने में इसे बाधक नहीं बनना चाहिए।

एसी तथा एबीसी की स्थिति तथा इसके कार्यान्वयन में प्रचालनात्मक मुद्दों के अलावा, अन्य महत्वपूर्ण सरकारी प्रायोजित सब्सिडी योजनाओं में पशुपालन तथा ग्रामीण गोदाम योजना पर भी सहभागियों के लाभ के लिए चर्चा की गई।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस

संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर

सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति

: श्रीमती एन. सुनीता

हमें संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान (मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
टेली फैक्स: + 91(40)–24106693
ई–मेल :indianagripreneur@manage.gov.in
Website: www.agriclinics.net